बिहार विधान परिषद्

185वां सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग – 2

मंगलवार, तिथि $\frac{\text{09 फाल्गुन, 1938 (श.)}}{\text{28 फरवरी, 2017 ई.}}$

प्रश्नों की कुल संख्या – 09

1.	स्वास्थ्य विभाग	-	-	04
2.	ऊर्जा विभाग	-	-	03
3.	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	-	-	02
			कुल योग –	09

कार्रवाई करने पर विचार

12. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला सदर अस्पताल के नर्स होस्टल में भोजन एवं नाश्ता बनाने हेतु 4 रसोईयों की पदस्थापना की गई है, परन्तु इन रसोईये से नाश्ता एवं भोजन नहीं बनवाकर NGO को ठेका 1,50,000/- रु. प्रतिमाह पर दिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि नर्स होस्टल में रहने वाली छात्राओं से भोजन-नाश्ता के मद में प्रति छात्र 2000/-रु. लिया जाता है। मेनू के अनुसार सुबह के नाश्ता से लेकर रात के भोजन देने तक समय पर न देने तथा घटिया सामान का उपयोग किया जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार मोतिहारी सदर अस्पताल के नर्स होस्टल में पदस्थापित 4 रसोईयों के कार्यरत रहते NGO को ठेका देकर सरकारी राशि का गबन करने तथा नर्स होस्टल में चल रहे दवा स्टोर कार्यालय, चहारदिवारी समेत मेन गेट का निर्माण कराने हेतु कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

जर्जर तारों को बदलने पर विचार

13. **डा. उपेन्द्र प्रसाद** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिलान्तर्गत शेरघाटी अनुमंडल में शेरघाटी से चौगाई तक 11 हजार वोल्ट के विद्युत तारों की स्थिति अत्यंत जीर्ण अवस्था में है;

(ख) क्या यह सही है कि इस संबंध में स्थानीय नागरिकों द्वारा पूर्व में अधिकारियों को तार बदलने के लिए आवेदन भी दिया गया, परन्तु कोई कार्रवाई नहीं की गई;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कोई गंभीर घटना होने से पूर्व ही जर्जर तारों को बदलने की कार्रवाई करेगी, यदि हां तो कबतक?

योजना का लाभ

14. **श्री मंगल पाण्डेय** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के 100 की आबादी वाले गांवों-टोलों तक बिजली पहुंचाने का काम 11वीं पंचवर्षीय योजना के दूसरे चरण में 11 जिलों में तो 12वीं पंचवर्षीय योजना में 27 जिलों में शुरू हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि सभी जिलों में बिजली की 12वीं पंचवर्षीय अधूरी योजना के अंतर्गत बिजली की आपूर्ति हेतु 2006 से लेकर 2012 तक कई सब-स्टेशन बनाने की योजना अभी तक अधूरी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ग्रामीण विद्युतीकरण के अंतर्गत गरीबी रेखा के नीचे बसर करने वाले परिवारों को उपर्युक्त योजना का लाभ कबतक देने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों?

योजना में जोड़ने की व्यवस्था

15. **श्री लाल बाबू प्रसाद** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार प्रदेश में मुख्यमंत्री के सात निश्चय कार्यक्रम के तहत 'हर घर नल का जल' योजना के लिए पंचायतों के गैर गुणवत्ता प्रभावित वार्डों में काम कराने के लिए मॉडल इस्टीमेट बनाने की योजना थी;

(ख) क्या यह सही है कि 14वें वित्त आयोग एवं पंचम राज्य वित्त आयोग से प्राप्त होने वाली धन राशि से वार्डों के हर घर को नल का जल देने का प्रावधान किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार पश्चिम चम्पारण के नरकटियागंज प्रखंड हेतु मॉडल इस्टीमेट तैयार किया गया है या नहीं, यदि हां तो कुल लागत और कितने वार्डों को इस योजना में जोड़ने की व्यवस्था सरकार कर रही है?

अस्पताल भवन का जीर्णोद्धार

16. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत पंडारक प्रखंड के कोन्दी गांव में अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र निर्मित है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त भवन काफी जर्जर अवस्था में है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अस्पताल भवन का जीर्णोद्धार करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

कार्रवाई करने पर विचार

17. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत झंझारपुर नगर पंचायत में करोड़ों की लागत से शुरू पेयजलापूर्ति योजना पिछले चार वर्षों से खटाई में पड़ी है, इस योजना का शुभारंभ वर्ष 2012 में ही हुडको के माध्यम से किया गया;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त योजना करीब सवा चार करोड़ की है जिसमें नगर विकास विभाग ने 3 करोड़ 90 लाख रुपये विमुक्त कर दिया है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त पंचायत में पेयजलापूर्ति योजना के तहत पानी मुहैया कराने के लिए झंझारपुर में पानी टंकी के निर्माण का कार्य आधा-अधूरा संवेदक द्वारा छोड़ दिया गया है, संवेदक और नगर विकास विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों की मिलीभगत से संवेदक द्वारा रुपये की निकासी भी कर ली गई है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार झंझारपुर नगर पंचायत में पेयजलापूर्ति योजना पर करोड़ों खर्च करने के बावजूद अभी तक निर्माण कार्य पूर्ण नहीं होने के लिए जिम्मेवार संवेदक एवं इस योजना में हुई विभागीय अनियमितता के लिए जिम्मेवार पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

योजना की अनदेखी

18. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मरीजों को सस्ती दवा उपलब्ध कराने के लिए सात वर्ष पहले राज्य के सरकारी अस्पताल में जेनरिक दवा उपलब्ध करायी थी किन्तु इस ओर विभाग ने कभी ध्यान नहीं दिया, जिससे मंत्रालय की ओर से एन.एम.सी.एच. में खुली जेनरिक दवा की दुकान में बड़े ब्रांड की दवा बेची जा रही है और जिस कारण आम जनता को इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि सात साल पहले मंत्रालय की ओर से एन.एम.सी.एच. में एक जेनरिक दवा दुकान खोली गई थी और मरीजों को प्रिंट रेट से आधी कीमत में दवा देने की व्यवस्था की गई है एवं साथ ही दवा की पक्की रसीद भी दी जाती है किन्तु एन.एम.सी.एच. में जेनरिक दवा दुकान में बिना रसीद के दवा देने से मरीज ठगे जा रहे हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जेनरिक दवा दुकान में बेची जा रही बड़े ब्रांड की दवाओं पर अंकुश लगाने, मंत्रालय द्वारा जारी उपलब्ध दवाओं का लाभ आम जनता को मुहैया कराने एवं इस योजना की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों?

तारों का मकड़जाल हटाने पर विचार

19. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के बिजली विभाग की पहचान जर्जर तारों के जंगल से की जा सकती है;

(ख) क्या यह सही है कि पटना में बिजली विभाग की लापरवाही से रिहायशी इलाकों, रोड पर, गलियों में जर्जर हो चुके बिजली के तारों का मकड़जाल लगा हुआ है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त जर्जर हो चुके तारों से कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पटना के सभी रास्ते, गलियों से तारों का मकड़जाल हटाना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

भवन का निर्माण

20. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिले के नगर प्रखंड के कंडी पंचायत प्राथमिक उप स्वास्थ्य केन्द्र का पंचायत भवन में संचालित होने के कारण प्रसव पीड़ा में रहने वाली महिलाओं को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पंचातय में बिहार सरकार की 89 डिसमिल जमीन की उपलब्धता के बावजूद विभाग इस पंचायत में भवन निर्माण की मंजूरी नदीं दे रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त पंचायत में प्राथमिक उप स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का निर्माण कबतक कराना चाहती है, यदि नही तो क्यों?

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक : 28 फरवरी, 2017